The institution follows certain practices which are fully student oriented. Such practices work in the direction of grooming the personality to shine on the horizon as a beacon of knowledge, self-confidence and source of inspiration to build the students, making them multifaceted individuals. Being a women's college, the institution takes all pains in preparing them to become self-sufficient unit of the society after completion of studies.

Best Practices of the institute -

1. Skill development & Career opportunities

This practice is intended to instill professional spirit among the students. The participants demonstrate more positive relationship with faculty, greater knowledge, use of campus resources, more involvement in campus activities & better time management skills. The Vivekananda Career Counseling & Personality Development cell in coordination with the department works throughout the year in this direction.

A number of short-term training courses, workshops and seminars are organized every year. These activities are carried out to promote career-oriented skills. Students learn the techniques and intricacies from the experts and make various products which are exhibited and sold in the career fare.

The current year focused on topics such as:

- Workshop on Stencil Painting
- Mushroom cultivation
- Soft toy making
- Bonsai making
- Web designing
- Flower making
- Hardware & networking
- Hands on training to assemble Solar Study Lamps
- Cloud computing
- Bakery, food preservation
- Garment designing
- Best out of waste

- Dabu printing,
- Fabric printing,
- Applique art
- Mock tail preparation,
- Preparation of nutritious food products for different occasions

  Students learn the technique and intricacies from the experts and make various products which are exhibited and sold in the career fare.

Cityभास्कर

होम साइंस कॉलेज में अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

सॉफ्ट टॉयज में फिश, हाथी, मंकी और दिखा कछुआ

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर।

किसी ने हाथी बनाया, तो किसी ने कछुआ। किसी को पसंद आया मंकी, तो किसी का दिल फिश पर आ गया। ऐसे ही शानदार सॉफ्ट टॉयज देखते ही बने। मौका था स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में होम साइंस कॉलेज में 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सॉफ्ट टॉयज मैकिंग' के समापन का। इस दौरान 43 छात्राओं ने भाग लिया। गर्ल्स के फेवरेट सॉफ्ट टॉयजों काफी कुछ देखने को मिला। (आर-1)

ड्रॉफ्टिंग, कटिंग और सीखी सिलाई

प्रशिक्षण कार्यक्रम अतिरिक्त संचालक मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग एवं प्राचार्य डॉ. लीला भलावी के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सॉफ्ट टॉयज की ड्रॉफ्टिंग, कटिंग, सिलाई एवं उनके सैद्धांतिक पक्ष का कौशल सीखा। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. आभा तिवारी एवं सह समन्वयक डॉ. मृदुला दुबे, श्रीमती शिखा पांडे आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

30 दिन का परिश्रम और बनकर तैयार टेडीज

छात्राओं ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ पूरे 30 दिन की क्लास में प्रशिक्षण प्राप्त किया। ब्यूटीफुल टॉयज बनकर जब तैयार हो गए तो सभी ने एक दूसरे का उत्साहवर्धन किया।

रोजगार की दिशा में मिलेगी सहायता

छात्राओं ने बेहद ही खूबसूरत तरीके से अपने हाथों से टॉयज बनाए। यह टॉयज मेकिंग छात्राओं को उनके रोजगार के लिए सहायता प्रदान करेगी। घर बैठे सॉफ्ट टॉयज बनाकर रोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी। इस अवसर पर ट्रेनर्स ने आसान तरीके से छात्राओं को टॉयज मेकिंग के टिप्स दिए। यह भी बताया कि किस तरह के फॉम के साथ किस तरह के कपड़े का यूज करना है। इस सभी बातों को छात्राओं ने डायरी में भी नोट किया। पी-3

दैनिक भास्कर 18 - 10 - 2019

CITY ACTIVITY

काँच की बॉटल्स में किया कलरफुल आर्ट, मटकी को रंगों से दिया नया रूप

होमसाइंस कॉलेज के फैशन डिपार्टमेंट द्वारा डिकोपेच वर्कशॉप में छात्राओं ने दिखाया हुनर

सिटी रिपोर्टर. जबलपुर

गर्ल्स ने अपने हाथों से डिजाइनर करवे बनाए, तो वहीं बॉटल्स को शानदार तरीके से सजाया। खूबसूरत रंगों से काँच को अट्रैक्टिव लुक दिया। कलरफुल कपड़ों के टुकड़े लेकर बॉटल्स में चिपकाए और फिर ऊपर से कलर्स भरे। यह नजारा रहा होमसाइंस कॉलेज के फैशन डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित डिकोपेच वर्कशॉप का। जहाँ एमएससी फर्स्ट, थर्ड और फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं ने अपना हुनर दिखाया। (आर-6)

बॉटल्स में चिपकाए रंगबिरंगे कपड़े के टुकड़े -एक नई सोच नए आर्ट को जन्म देती है, कुछ ऐसी ही सोच दिखी होमसाइंस कॉलेज की छात्राओं के वर्क में। जहाँ करवे को कलर किया फिर उसे मिरर वर्क से सजाया, इसी के साथ उस करवे में स्वास्तिक और ॐ लिखा। लाल, पीले, नीले रंगों से सजा करवा बेहद खूबसूरत दिखाई दिया।

काँच की बॉटल रही आकर्षण का केन्द्र -गर्ल्स ने काँच की बॉटल्स में रंग किया और फिर रंगबिरंगे कपड़े छोटे-छोटे टुकड़ों में चिपकाए। विभागाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा ने बताया कि यह बॉटल्स छात्राओं के लिए डिस्प्ले बोर्ड की तरह काम करेंगी। छात्राओं ने अपनी कई दिनों की मेहनत से आर्ट रेडी किया, जिसे ये अपने रोजगार में उपयोग ला सकती हैं। सहायक प्रो. रचना अग्रवाल ने बताया कि गर्ल्स ने ट्रे, थाली व फ्लॉवर पॉट में भी डिकोपेच वर्क किया। बॉटल्स वर्क में पक्षी, फ्लॉवर्स, पत्तियाँ, ग्रीनरी आदि दिखाए।पी-3

छात्राओं ने मिलकर की मेहनत -वेस्ट मैटेरियल का छात्राओं ने बेहतर प्रयोग किया। स्टूडेंट में छात्रा प्रियंका कुशवाहा, आयुषी लखोटिया, मधु, मनीषा कुशवाहा, प्रज्ञा, अमरवती विश्वकर्मा व चरणप्रीत अपने घरों से पुराने कपड़े लाईं। कॉलेज में [illegible] को स्टूडेंट्स ने बारीक काटा। फिर स्टार और गोल आकार के टुकड़ों को ट्रे, थाली [illegible] चिपकाया। छात्राओं ने बताया इन डेकोरेटिव आइटम्स [illegible] में ज्यादा खर्च नहीं आया है। क्रिएटिव सोच के साथ आइटम्स रेडी किए हैं।पी-3

SHOT ON POCO X3

Workshop on Applique Art
date 31/8/2019

City 10-9-2019 **CITY SPORTS/ACTIVITY**

रेडी किए लहंगे और ईवनिंग गाउन हाथों की दिखी क्रिएटिविटी

SHOT ON POCO X3

The Hitavada

50 students register for employment training

■ Staff Reporter

Students attending inaugural ceremony of the short-term training programme.

A SHORT-TERM employment oriented training programme for making of soft toys started under Swami Vivekananda Career Guidance Scheme in Government Mohanlal Hargovind Das Home Science and Science College for Women on Friday. The training programme lasted for 50 hours, will be conducted under the guidance of College Principal.

Post training, students will attend a test to ensure their potential and to receive certificate. These certificates will help the students to get employment.

Nearly 50 students registered themselves to attend the training activities. The experts from registered organization Active Society for Urban and Integrated Development will impart training for soft toy course.

The inaugural ceremony was specially attended by Dr. Abha Tiwari, Dr. Mridula Dubey, Vishwashanti Tiwari, Dr. Krishna Pateria, Shubha Sinha, Dr. Priyanka Raj, Dr. H. [illegible], Dr. Bhavana Sharma and other professors. [illegible] of students were also present during inaugural ceremony.

नईदुनिया

जबलपुर, शनिवार 14 सितंबर 2019

होमसाइंस कॉलेज में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का शुभारंभ

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। होमसाइंस कॉलेज में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का शुभारंभ शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. लीला भलावी के सरंक्षण में किया गया। प्रशिक्षण 50 घंटे का रहेगा इसके बाद छात्राओं की परीक्षाएं आयोजित होगी। प्रशिक्षण के लिए 50 से 60 छात्राओं ने पंजीयन कराया है। प्रशिक्षण के तहत साफ्ट टॉयज कोर्स के बारे में छात्राओं को बताया जाएगा।

छात्राओं को प्रशिक्षण एक्टिव सोसायटी फॉर अर्बन रूलर एंड इंटिग्रेटेड डेवलपमेंट पंजीकृत संस्था द्वारा करवाया जा रहा है। शुभारंभ मौके पर डॉ. आभा तिवारी, डॉ. मृदुला दुबे, विश्वशांति तिवारी, डॉ. कृष्णा पटेरिया, शुभा सिंहा, डॉ. प्रियंका राज, डॉ. एचसैनी, डॉ. [illegible] डॉ. भावना शर्मा सहित छात्राएं उपस्थित थी।

SHOT ON POCO X3

टरकिश कपड़े से रेडी की बॉथ गाउन

शासकीय होमसाइंस कॉलेज के फैशन डिपार्टमेंट की छात्राओं ने दिखाई क्रिएटिविटी, रेडी किए हाउस कोर्ट

GIRLS FASHION

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। अपनी क्रिएटिविटी के साथ गर्ल्स ने बाथ गाउन रेडी किए, एक से बढ़कर एक कलर्स के साथ न्यू डिजाइन्स देते हुए गाउन रेडी किए गए। होमसाइंस कॉलेज के फैशन डिपार्टमेंट की गर्ल्स ने बड़ी ही सूझबूझ के साथ ड्रेस रेडी की। विभाग द्वारा संचालित लेडीज गारमेंट के तीन माह सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत छात्राओं ने अपना हुनर दिखाया। मार्केट में मिलने वाले महंगे गाउन को अपने हाथों से बड़े ही खूबसूरत तरीके से रेडी किया। (आर-6)

फ्रंट ओपनिंग और स्टाइलिश गाउन | गर्ल्स ने बाथ गाउन को टरकिश कपड़े से बनाया है। गाउन में फ्रंट ओपनिंग दी है, जो की लुक को बढ़ा रहा है। इस कपड़े का यूज इसलिए किया गया है क्योंकि इसमें पानी सोखने की क्षमता ज्यादा होती है। करीब 30 छात्राओं ने इस कोर्स के अंतर्गत यह गाउन रेडी की है। कोर्स का संचालन प्राचार्य डॉ. लीला भलावी के निर्देशन, विभागाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। छात्राओं को प्रशिक्षण डॉ. रचना अग्रवाल द्वारा दिया गया।

कम लागत में किए रेडी

मार्केट में बॉथ गाउन काफी कॉस्टली मिलती है, छात्राओं ने अपनी सूझबूझ से कम लागत में बॉथ गाउन रेडी किए। 3 माह के इस कोर्स में पहले कलर कॉम्बिनेशन सीखा, फिर डिजाइन्स तय की और उसके बाद टीचर्स के मार्गदर्शन में गाउन रेडी किए। प्रशिक्षण में जानकारी दी गई की यह कोर्स इन [illegible] की [illegible] दिशा में [illegible]

SHOT ON POCO X3

होमसाइंस कॉलेज के न्यूट्रीशियन विभाग के तत्वावधान में मेडिकल स्थित आइसीडीएस में प्रोग्राम

'डिब्बा बंद फूड की जगह 'होम बेस्ड' फूड बनाएं'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जबलपुर • छह माह के शिशु को मां के दूध के साथ पोषण संबंधी खानपान की जरूरत भी होने लगती है। ऐसे में मार्केट में मिलने वाले डब्बा बंद फूड की बजाय मांओं को घर में बने हुए फूड को देना चाहिए, ताकि बच्चे को भरपूर मात्रा में न्यूट्रिशन मिल सके। इस बात को ध्यान में रखते हुए गवर्नमेंट होमसाइंस कॉलेज के न्यूट्रिशन विभाग के तत्वावधान में मेडिकल स्थित आइसीडीएस में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें उन्हें छह माह के बाद शिशुओं के लिए होम मेड सेरेलेक बनाने की जानकारी दी गई।

बेबी फूड बनाने की जानकारी दी

कॉलेज की शोध छात्रा ऋचा सिंह मार्केट में मिलने वाले महंगे डिब्बा बंद फूड की बजाय घर में सेरेलेक बनाने की जानकारी दी, जिसकी कीमत मात्र 6 से 7 रुपए होगी। इसके साथ ही केले की इडली, अंकुरित सेरेलेक आदि बनाना बताया गया। इस मौके पर एचओडी डॉ. नंदिता सरकार, प्रो. डॉ. स्मिता पाठक द्वारा भी बच्चों की केयर से जुड़ा व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रिंसिपल डॉ. [illegible] मालवी के निर्देशन में सम्पन्न हु[illegible] इस मौके पर डॉ. बृजलता दुबे, राजलक्ष्मी त्रिपाठी, विश्व[illegible] पराशर, आइसीडीएस के प्रशि[illegible] मनीष शर्मा, केन्द्र सहायिका [illegible] दुबे आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर | जबलपुर, बुधवार 24 जुलाई 2019

होम साइंस कॉलेज के फूड डिपार्टमेंट द्वारा महिलाओं को बताया बेबी फूड रेडी करना, जो लो कॉस्ट और हैल्दी हो...

6 माह के बच्चों को हैल्दी रखने के लिए दें केले की इडली और पंजीरी

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

बेबीज हैल्दी रहें, इसके लिए हैल्दी फूड भी उन्हें खिलाना होगा। 6 माह के बच्चों की वृद्धि और विकास में माँ के दूध के साथ-साथ पूरक आहार की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। और अगर ऐसा नहीं मिलता है तो बच्चा कुपोषित हो जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए होम साइंस कॉलेज के आहार एवं पोषण विभाग एवं शासकीय मेडिकल कॉलेज जबलपुर स्थित आईसीडीएस केन्द्र में शिशुओं के लिए पोषण [illegible] पर एक दिवसीय [illegible] शिविर का आयोजन किया गया। [illegible] पंजीरी आदि बनाना सिखाया गया। आर-1

बेबीज फूड पर हो रही है रिसर्च

बेबीज फूड पर आहार एवं पोषण विभाग की शोध छात्रा ऋचा सिंह रिसर्च कर रही हैं, उन्होंने बताया कि छह माह के बाद बच्चों को यदि माँ का दूध दिया जाए एवं कोई अन्य पूरक आहार न दिया जाए, तो वह कुपोषण का कारण भी बन सकता है। 5 साल से कम आयु के बच्चों की मृत्यु का एक मुख्य कारण कुपोषण भी होता है। इसी बिंदु को ध्यान में रखकर कम लागत एवं आसानी से उपलब्ध खाद्य पदार्थों के प्रयोग से पोषण युक्त पूरक आहार का विकास कर उस पर शोध किया है।

लाइव डेमोन्स्ट्रेशन भी दिया | आईसीडीएस केन्द्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं कॉलेज की छात्राओं के समक्ष शिशुओं के लिए पूरक आहार के महत्व और बनाने की विधि का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही बताया कि केले कम दाम में पोषक आहार बेबीज को दिया जा सकता है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. नंदिता सरकार एवं प्राध्यापक डॉ. स्मिता पाठक, डॉ. [illegible] दुबे, डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी, श्रीमती विश्वज्योति पराशर एवं केन्द्र के मुख्य प्रशिक्षक मनीष शर्मा व सहायक प्रशिक्षक श्रीमती [illegible] दुबे शामिल रहे। पौष्टिक पूरक आहार बनाने की विधि पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

केले की इडली

[illegible]

अंकुरित पावडर

[illegible]

SHOT ON POCO X3

शासकीय होमसाइंस कॉलेज के फैशन डिपार्टमेंट में छात्राओं को मिला स्टेंसिल प्रिंटिंग का प्रशिक्षण, कौशल विकास की मिली जानकारी

रेडी किए ईको-फ्रेंडली बैग्स, बनाए डिजाइनर कॉलेज बैग्स

सीखी छात्राओं ने जापानी कला

पर्स से लेकर फाइल कवर रेडी किए

Dated 24/09/2019

Eco friendly bags making workshop

certificate course
Garment designing
September 2019
Skill Development Course
A symmetrical designer kurta with
various styles of plazo made by
students during exam of 3 months
certificate course.....
Aim of this course to develop the
skill towards dress designing and
make them self independent as
entrepreneur..

दिनांक 3.10 - - 4.10.19 को गांधी जी की 150 वी जयंती वर्ष के उपलक्ष में आईआईटी बॉम्बे द्वारा चलाए जा रहे अभियान गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा की कार्यशाला संसाधन प्रबंध एवं भौतिक शास्त्र विभाग के सहयोग से संपन्न हुई ।जिसमें छात्राओं ने सोलर टेबल लैंप स्वयं असेंबल करके तैयार किए और ग्रीन एनर्जी कैंपेन की शपथ ली।

पत्रिका PLUS CITY LIVE 14

होमसाइंस कॉलेज में अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ

सॉफ्ट टॉयज मेकिंग का मिलेगा नॉलेज

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जबलपुर ◆ गवर्नमेंट होमसाइंस कॉलेज में स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इसमें छात्राओं को सॉफ्ट टॉयज मेकिंग का नॉलेज दिया जाएगा। शिविर का शुभारंभ प्रिंसिपल डॉ. लीला भलावी के निर्देशन में हुआ। यह शिविर 50 घंटों का रहेगा। इसके बाद इनकी परीक्षाएं भी संचालित की जाएगी।

शिविर में 60 छात्राओं की भागीदारी दर्ज की गई है। इस मौके पर डॉ. आभा तिवारी, डॉ. ज्योति जैन, डॉ. नम्रता श्रीवास्तव, डॉ. भावना शर्मा, शुभा सिंहा, डॉ. प्रियंका राज, डॉ. विश्वशांति तिवारी, डॉ. कृष्णा पटेरिया आदि उपस्थित थीं।

नईदुनिया | लाइव अपना शहर Our city
जबलपुर, रविवार 01 सितंबर 2019

होमसाइंस कॉलेज के टैक्सटाइल विभाग की एक दिवसीय कार्यशाला

स्वरोजगार के लिए छात्राओं को बताई एप्लिक कला की तकनीक

जबलपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

होमसाइंस कॉलेज के टैक्सटाइल विभाग द्वारा एप्लिक कला पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित कर छात्राओं को इसकी तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। प्रायोगिक तौर पर इस कला की विशेषताओं को समझा व उनके अनुप्रयोग को विभिन्न आर्टिकल्स को प्रदर्शित कर सभी प्रतिभागियों ने अवलोकन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं द्वारा परिधान बनाने के बाद बचे हुए कपड़ों के टुकड़ों का एक पारंपरिक कला में नवीनीकरण लाना व इस कला से अवगत कराना रहा। इसका प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभागी अपनी सृजनात्मकता से विभिन्न आर्टिकल्स तैयार कर स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं। एप्लिक के लिए विभिन्न टांकों, पैटर्न निर्माण, पचूलना के तरीकों आदि के आइडिया भी सीखे। डिजाइनिंग के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का एक नया कदम छात्राओं को पारंगत करने का माध्यम भी ऐसी एक कार्यशाला आयोजित करना है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में कॉलेज और अन्य कॉलेजों की छात्राओं व प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। लगभग 50 प्रतिभागियों ने इसका लाभ उठाकर विभिन्न नमूने तैयार किए। इस प्रशिक्षण में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश व अन्य स्थानों से आए प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दी। यह प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ डॉ. सृष्टि घुनवार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय व

परिधान बनाने के बाद बचे वस्त्रों के टुकड़े से सृजनात्मकता का परिचय देकर एप्लिक कला के जरिए विभिन्न कलाकृतियां तैयार करती छात्राएं।

डॉ. रत्ना शर्मा द्वारा दिया गया। कार्यशाला संस्था प्रमुख डॉ. लीला भलावी के निर्देशन में व विभागाध्यक्ष डॉ. [illegible] शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। आयोजन में डॉ. [illegible] अग्रवाल, सौनिका सिंह का सहयोग रहा।

दैनिक भास्कर
जबलपुर, रविवार, 1 सितंबर, 2019

ड्रेस रेडी करने के बाद बचे कपड़ों के टुकड़ों से सीखा 'एप्लिक आर्ट'

शासकीय होमसाइंस कॉलेज के वस्त्र एवं तंतु विभाग में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: छात्राओं को मिला प्रशिक्षण

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर| जहाँ एक ओर गर्ल्स ने पेटर्न निर्माण, फ्यूजन के तरीकों को जाना, तो वहीं विभिन्न डिजाइन्स के परिधान बनाने के बाद बचे हुए टुकड़ों का नवीनीकरण भी किया गया। यह अवसर रहा होमसाइंस कॉलेज में वस्त्र एवं तंतु विभाग द्वारा आयोजित एप्लिक कला वर्कशॉप का। जहाँ छात्राओं ने कपड़ों के टुकड़ों को एक नया रूप दिया। कुछ नया सीखने और बनाने का उत्साह छात्राओं के चेहरों पर दिखाई दिया। (आर-6)

कला की बताई विशेषता ... | वर्कशॉप में छात्राओं को विभिन्न प्रांत की एप्लिक कला की जानकारी दी गई एवं तकनीकि प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रत्येक प्रांत की इस कला की विशेषताओं को समझ एवं उनके अनुप्रयोगों का अवलोकन किया। इस बचे हुए वस्त्रों के टुकड़ों का एक पारंपरिक कला में नवीनीकरण लाना एवं इस कला से अवगत कराना मुख्य उद्देश्य रहा। छात्राओं को बताया गया कि छात्राएँ अपनी सृजनात्मकता से विभिन्न आर्टिकल्स तैयार कर स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं।

फ्यूजन के तरीकों को समझा

परिधान के लिए विभिन्न टांके, पैटर्न निर्माण, फ्यूजन के तरीकों को भी समझा। डिजाइनिंग के क्षेत्र में ... इस राष्ट्रीय कार्यशाला में ...

... महाविद्यालय और अन्य महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने ... रजिस्ट्रेशन कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं अन्य स्थानों से आए प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता की। इस अवसर पर विभाग विशेषज्ञ ... डॉ. ... कार्यशाला ... डॉ. ... विशेष योगदान रहा। पी-3

Lucky FACE

उपहार जीतने का शानदार मौका

दैनिक भास्कर एक बार फिर आपके लिए लाया है आकर्षक उपहार जीतने का मौका। जी हाँ, प्रकाशित तस्वीरों में ही हम खोजेंगे आपका 'लकी फेस' और आपको मिलेगा एक शानदार इनाम। होमसाइंस कॉलेज की तस्वीर में हमने आज के 'लकी फेस' को रेड सर्किल से हाइलाइट किया है।

ध्यान दें | अपना पुरस्कार पाने के लिए ... दैनिक भास्कर कार्यालय, ... में दोपहर 12 से शाम 6 बजे के बीच संपर्क करें। साथ ही अपना ओरिजनल फोटो आईडी प्रूफ एवं उसकी एक कॉपी साथ लाना न भूलें।

दैनिक भास्कर 31-8-2019

पेज 1 का शेष... आस्था के साथ पर्यावरण का भी रखें ध्यान ईको...

प्राकृतिक रंगों का उपयोग | होमसाइंस कॉलेज में भी ईको-फ्रेंडली गणपति निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं ने मिट्टी के

गणपति बनाने के साथ ही उन्हें सजाने में प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया। फूलों के रंगों और पत्तियों का प्रयोग कर प्रतिमाओं को सजाया। कार्यशाला में छात्राओं के साथ ही प्रोफेसर्स ने भी भाग लिया। पी-3

कुछ खास झलकियाँ

- छात्राओं ने स्टेप बाय स्टेप प्रतिमा निर्माण करना सीखा। बेस व आकार बनाने के साथ ही हाथ और पैरों की विभिन्न मुद्राएँ कैसे बना सकते हैं, इसकी बारीकियाँ भी जानीं।
- प्रतिमा निर्माण के दौरान छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की विशेषता के बारे में भी जाना। साथ ही यह संकल्प भी लिया कि घरों में मिट्टी के गणपति ही विराजमान करेंगी।
- जितनी उत्सुकता छात्राओं को कार्यशाला में भाग लेने की थी, उतनी ही उत्सुकता के साथ छात्राओं ने गणपति को आकार भी दिया। देखते ही देखते छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिमाएँ बनाईं।
- जीरो साइज से लेकर बड़े आकार की भी प्रतिमाएँ छात्राओं ने निर्मित कीं। कमल पर विराजे, पान पत्तियों से सजे और सुंदर मुद्राओं वाले गजानन भी बनाए।

लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प | पर्यावरण को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी उठाते हुए छात्राओं ने यह संकल्प भी लिया कि वो पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वयं आगे आएँगी, साथ ही लोगों को भी इसके लिए जागरूक करेंगी। अतिथियों ने बताया कि गणेश पूजन के उपरांत प्रतिमाओं को नदियों व तालाबों या अन्य जल स्रोतों में विसर्जित न करके, घर के गमले में विसर्जित करें।

आज यहाँ होगी कार्यशाला | अपर आयुक्त ... रोहित सिंह कौशल ने बताया कि ईको-फ्रेंडली ... कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रातः 11:30 बजे से ... स्कूल में और दोपहर 3 बजे से बाल भवन में ईको-फ्रेंडली गणपति निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पी-3

Division level employment-oriented career fare:

In order to orient students towards employment, making themselves self-reliant, developing skills and providing placement. Multi objective career fare is organized in the college every year. For session 2019-2020 Division level employment-oriented career fare was organized on 15th & 16th February 2020, at Govt. M.H. College of Home Science & Science for Women, Jabalpur. Some of the salient features of this fare were large number of stalls of different departments of the college, different entrepreneurs from the corporate world, information regarding career opportunities and skill development awareness through experts' address, discussions, quiz etc for the students. The college and model career center jointly organized a campus drive where 26 companies visited the college, 3263 students got registered, out of which 514 students were selected.

होमसाइंस कॉलेज में मप्र उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार हुआ दो दिवसीय संभाग स्तरीय कॅरियर मेले का शुभारंभ

कॅरियर मेले में 4200 पदों पर 12 हजार युवाओं के लिए आईं 35 कम्पनीज

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जबलपुर ● उच्च शिक्षा विभाग, मप्र शासन द्वारा स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत दो दिवसीय संभाग स्तरीय कॅरियर अवसर मेला का उदघाटन हुआ। उद्घाटन प्रियव्रत सिंह जी, केबिनेट मंत्री, ऊर्जा विभाग ने किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को हमेशा कॅरियर के प्रति जागरूक किया जाएगा, प्रदेश सरकार का भी यही उद्देश्य है। ऐसे में कॉलेजों को युवाओं के कॅरियर के लिए प्रति जागरूक करना सभी की जिम्मेदारी है। विधायक राजवर्धन सिंह ने कहा कि मेले में विभिन्न रोजगार, स्वरोजगार तथा गृह उद्योग के स्टॉल निःसंदेह विद्यार्थियों को जीविका प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगें।

लखन घनघोरिया, केबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय एवं विकलांग कल्याण विभाग एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कॅरियर अवसर मेला इस उद्देश्य में सहायक सिद्ध होगा। विधायक विनय सक्सेना ने कहा कि नारी शक्ति सशक्तिकरण के लिए प्रेरणास्पद है। महिलाओं को रोजगार के प्रति इस मेले में जोड़ा जाना चाहिए। डॉ. लीला भलावी, प्रभारी अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग ने मेले के उद्देश्यों की जानकारी दी। मंच संचालन डॉ. मलय वर्मा और आभार प्रदर्शन प्रो. अरुण शुक्ल, संयोजक और संभागीय समन्वयक स्वामी विवेकानंद कॅरियर योजना, जबलपुर संभाग ने किया।

बापू की कुटिया

मेले में गवर्नमेंट मानकुंवर कॉलेज के द्वारा प्रभारी डॉ. सुलेखा मिश्रा के निर्देशन में बापू कुटिया लगाई गई। इसके साथ ही इग्नू, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सेना, मशरुम उत्पादन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, खाद्य शिल्प संस्थान, शासकीय आईटीआई, प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र आदि के विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केन्द्र रहे। इस मौके पर कदीर सोनी, पंकज पाण्डेय, राधेश्याम चौबे, गीता शरत तिवारी, प्रीति सक्सेना, कलेक्टर एवं मेला संरक्षक भरत यादव एवं पुलिस अधीक्षक अमित सिंह, डॉ. आभा पाण्डेय, डॉ. आभा तिवारी, मेला सह संयोजक, डॉ. अखिलेश आयाची, डॉ. राजेन्द्र मिश्रा, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. ज्योति जैन, डॉ. गिरीश वर्मा आदि उपस्थित थे।

3 हजार युवाओं करवाया रजिस्ट्रेशन

मेले में शनिवार को संभाग के लगभग 3 हजार युवाओं ने पंजीयन करवाया। प्लेसमेंट की प्रक्रिया आज सम्पन्न की जाएगी। इसके चलते 4200 पदों के लिए लगभग 35 कम्पनीज आई हुई हैं। इनके द्वारा जबलपुर संभाग से लगभग 12 हजार युवाओं की भर्तियां की जाएंगी। रविवार को युवा प्लेसमेंट की कई प्रक्रियाओं से गुजरेंगे।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन
दो दिवसीय संभाग स्तरीय कॅरियर अवसर मेला
दिनांक 15 एवं 16 फरवरी 2020
आयोजक

DEPARTMENT
OF
BOTANY & MICROBIOLOGY
Govt. Autonomous M.H. College of Home Science
& Science for Women, Jabalpur (M.P.)

Department of
Zoology and biotechnology
Career fair 2020
Exhibition of clay models prepared
by students and Mushroom
cultivation

कैरियर अवसर मेला

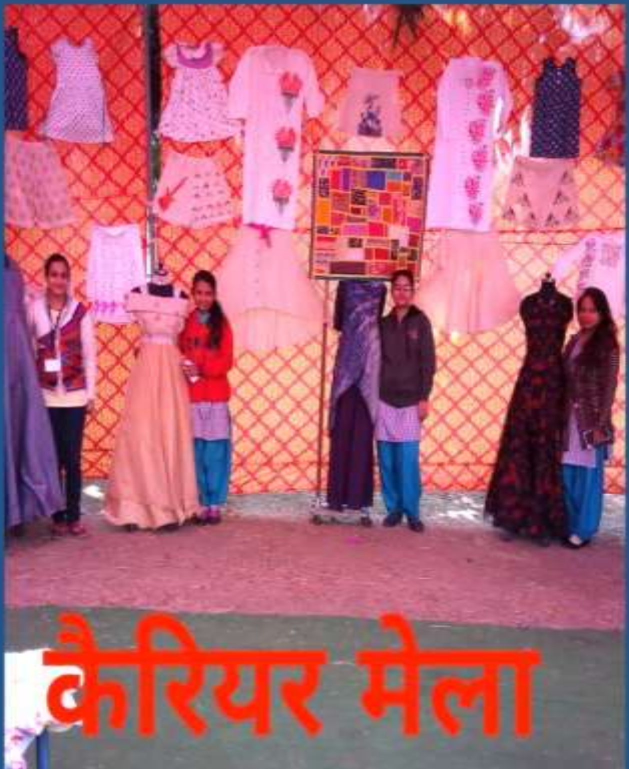
कैरियर मेला

आयोजन ● होमसाइंस कॉलेज में संभाग स्तरीय करियर अवसर मेला का उद्घाटन, ओपन कैंपस आज

रुचि के अनुसार करियर चुनने मिली जानकारी

जबलपुर (नईदुनिया रिपोर्टर)। प्रदेश सरकार का लगातार प्रयास है कि स्टूडेंट्स को करियर के प्रति जागरूक किया जाए। उन्हें करियर के अवसरों से परिचित कराया जाए। इसी दिशा में आयोजित इस मेले का सफल आयोजन प्रशंसनीय है। [illegible]

होमसाइंस कॉलेज के करियर अवसर मेला में छात्राओं को अलग-अलग स्टॉल में मिली जानकारी। ● नईदुनिया

करियर अवसर मेला में खादी को प्रमोट करते हुए छात्राओं ने चलाया चरखा। ● नईदुनिया

चार हजार से ज्यादा पदों के लिए चयन प्रक्रिया आज

[illegible]

दो दिवसीय संभाग स्तरीय करियर अवसर मेले में [illegible] जबलपुर के सहयोग से लगभग 4200 पदों के लिए लगभग 35 प्लेसमेंट कंपनियों द्वारा प्लेसमेंट की प्रक्रिया 16 फरवरी को होगी।

City भास्कर — दैनिक भास्कर 16-2-2020

CITY ACTIVITY

दिखा सेना में कैरियर बनाने का उत्साह मिली बेहतर न्यूट्रिशन की जानकारी

होमसाइंस कॉलेज में संभाग स्तरीय कैरियर मेले का शुभारंभ

आज दूसरे दिन रहेगा ओपन कैंपस, 35 प्लेसमेंट कंपनियाँ होंगी शामिल

इन स्टॉल्स में रही पूछताछ

[illegible]

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

[illegible]

विद्यार्थियों के लिए सहायक होगा मेला

[illegible]

करीब 3000 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

[illegible]

मशरूम के फायदे को जाना

[illegible]

रोजगार के विषय में बताया

[illegible]

कंपनियों से होंगे रू-ब-रू

[illegible]

Best Practices of the institute -

2. Community Outreach Awareness practices

The objective of such activities is to inculcate the feeling of compassion and service to humanity among the students. To encourage community service trips to old age homes, orphanages, rehabilitation centers, de-addiction centers are arranged for the students. Awareness among the community inmates is spread through discussion, skits, plays and rallies, question answer sessions and other activities. Such activities inculcate the spirit of giving back to the society and teach students to move ahead overcoming all hurdles.

Some notable activities conducted throughout the session -

- Haemoglobin test was conducted and awareness about anemia was spread by "Lalima Scheme".
- Eat Right India awareness drive -To achieve this aim through "Nukkad Natak".
- Student and teachers of all departments participated in different activities in Narmada Gokumbh at Gwarighat in collaboration with Nagar Nigam Jabalpur.
- Visit to orphanage
- Visit to Rehabilitation Centre VIHAN
- Holding orientation program for parents in Montessori school.
- Visit to De-addiction center
- Visit to Virat Hospice
- Sending self-made Rakhies to soldiers in collaboration with Nai Dunia news agency.
- Demonstration of nutritious food for different occasions.
- Organized health checkup in the campus
- Demonstration to ICDS workers in medical college regarding home food for infants in place of tinned baby food
- Saplings were planted on the hills of Madan Mahal.
- Demonstration of mask preparation to villagers by NSS
- Briefing labourers' of nearby area about the harmful effects of tobacco
- Awareness rallies on important social issues
- Preparation of driving license and voter ID card in the institution.

राखियां लेने मानकुंवरबाई व होमसाइंस कॉलेज पहुंचा भारत रक्षा पर्व का रथ

मानकुंवर बाई कॉलेज की छात्राओं ने राखियों के साथ- साथ सैनिक भाइयों के लिए शुभकामना संदेश लिखे ग्रीटिंग्स भी बनाए। •नईदुनिया

र साल की तरह इस बार भी होमसाइंस कॉलेज की छात्राएं बहुत उत्साह से भारत रक्षा पर्व में शामिल हुईं। •नईदुनिया

नर्मदा गौ कुंभ
@ अध्यात्मिक वेशभूषा प्रतियोगिता
students of clothing and textile
department

मां नर्मदा गौ कुंभ संत समागम - 2020

मां नर्मदा गौ कुंभ संत समागम - 2020

16 नईदुनिया
जबलपुर, शनिवार 07 सितंबर 2019

जांच में एनीमियाग्रस्त पाई गईं 15% छात्राएं

जबलपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

होमसाइंस कॉलेज के न्यूट्रिशन विभाग वूमेन डॉक्टर विंग आईएमए द्वारा किशोरियों में रक्त अल्पता के कारण व निवारण पर सेमीनार आयोजित किया गया। डॉ.नीना श्रीवास्तव ने महावारी की अनियमितता व उससे जुड़े स्वास्थ्य संबंधी कारणों के बारे में बताया। डॉ. संगीता श्रीवास्तव द्वारा एनीमिया के कारणों के बारे में बताया। इसके साथ ही इससे बचाव के लिए सुझाव दिए। किशोरियों के हीमोग्लोबिन की जांच की गई।

[illegible] गया कि 10-15 प्रतिशत किशोरियों में एनीमिया है। जिसके कारण सर दर्द, चक्कर आना, पढ़ाई में मन न लगना लक्षण हो सकते हैं। न्यूट्रिशन विभाग से डॉ.पांडे, डॉ. समिता पाठक, डॉ. [illegible] सरकार, डॉ. [illegible] शक्ति [illegible], डॉ.[illegible] आदि उपस्थित रहीं।

होमसाइंस कॉलेज में छात्राओं के बीच उपस्थित डॉ. नीना श्रीवास्तव व अन्य। ● नईदुनिया

SHOT ON POCO X3

दैनिक भास्कर जबलपुर, बुधवार, 5 फरवरी 2020

बताए नशे के दुष्परिणाम

जबलपुर। विश्व कैंसर दिवस पर होमसाइंस कॉलेज के मानव विकास विभाग की एमएससी की छात्राओं ने अवधपुरी स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र पहुँचकर विभिन्न नशों से होने वाले दुष्परिणामों को जाना। जहाँ बताया गया कि किस तरह तंबाकू से निर्मित उत्पादों के सेवन से कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. लीला भलावी के संरक्षण में डॉ. अर्चना गुप्ता के निर्देशन एवं डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव के सहयोग से हुआ। इस अवसर पर हेमंत सोलंकी, आनंद पगारिया, डॉ. सरकार, अभिलाष तिवारी, नीरज रजक, शिवानी राजपूत, अशोक ठाकुर, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव व छात्राएँ उपस्थित थीं।पी-3

पत्रिका JABALPUR WEDNESDAY 05/02/2020

नशे के दुष्परिणामों से कराया अवगत

जबलपुर ◆ नव ज्योति नशा मुक्ति केन्द्र के तत्वावधान में कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में होमसाइंस कॉलेज में मानव विकास विभाग में नशे से होने वाले दुष्परिणाम की जानकारी दी गई। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ. लीला भलावी के संरक्षण में हुए कार्यक्रम में डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव, हेमंत सोलंकी, आनंद पगारिया, अभिलाष तिवारी उपस्थित थे।

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान

जबलपुर. जिला स्तरीय नुक्कड नाटक, भाषण तथा निबंध प्रतियोगिताओं में अग्रणी महाकौशल महाविद्यालय में आयोजित की गईं। इसमें खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने में आमजन की भागीदारी विषय पर शासकीय होमसाइंस कॉलेज की छात्राओं ने सहभागिता कर तृतीय स्थान अर्जित किया। दैनिक जीवन शैली में सप्लीमेंट्री न्यूटीसिटिकल्स और आर्गेनिक खाद्य पदार्थ कितने उपयोगी विषय पर भाषण प्रतियोगिता में होमसाइंस कॉलेज की छात्राओं ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

Best Practices of the institute -

3. Development of Event Management skills

- Every department in the institution constitutes an activity club of its own in which four PG students are elected as President, Vice-president, Secretary, and Joint-secretary. This club under the guidance of a teacher coordinator carries out various activities throughout the year, which include conduction of workshop, speeches, lectures, publication of departmental magazine, updating of wall magazine, various competitions like rangoli, greeting card making, essay, slogan, recitation, quiz, celebration of various days of national & international importance, etc.

Name of the department	*Name of the Activity club*	*Name of the departmental magazine*
Physics	Einstein Club	Vibration
Chemistry	Qurie Club	Chem-era
Mathematics	Ramanujan Club	Gadana
Zoology	Salim Ali Club	Zoo-world
Botany	J.C. Bose Club	Haritima
Microbiology	Antoni won Leuvanhok Club	Microbial world
Clothing & Textile	Srijan Club	Paridhan
Food & Nutrition	Health & Fitness Club	In Food
Human Development	Ravindra Club	Srijan
Resource Management	Rajmal P. Devdas Club	Samvad

EINSTEIN CLUB
DEPARTMENT OF PHYSICS
GOVT. M.H. COLLEGE OF HOME SCIENCE
& SCIENCE FOR WOMEN
AUTONOMOUS JABALPUR (M.P.)

Qurie club
department of chemistry
Asra and Darshana hosting the
actvity

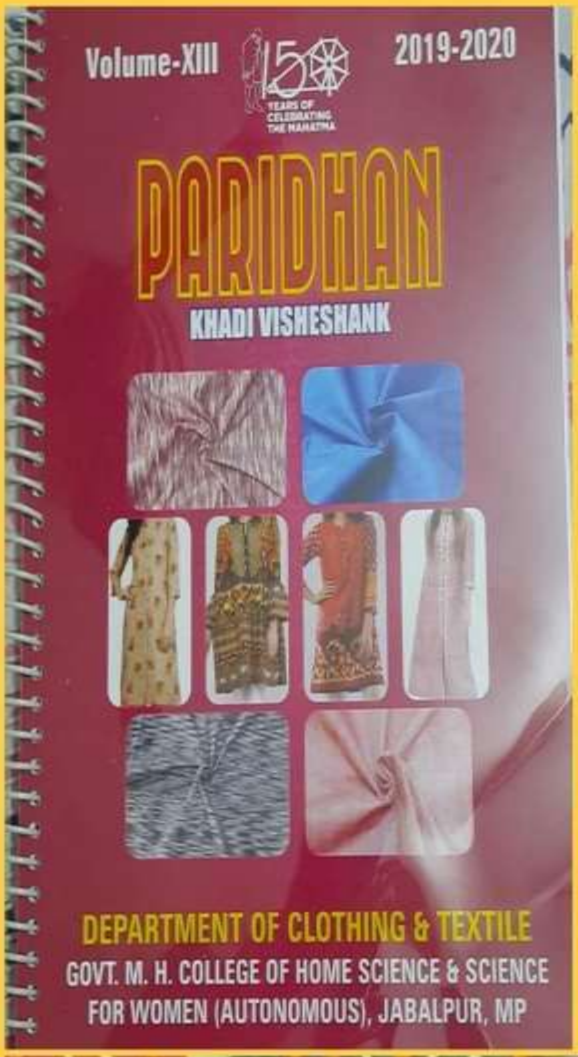
Volume-XIII
YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
2019-2020
PARIDHAN
KHADI VISHESHANK
DEPARTMENT OF CLOTHING & TEXTILE
GOVT. M. H. COLLEGE OF HOME SCIENCE & SCIENCE
FOR WOMEN (AUTONOMOUS), JABALPUR, MP

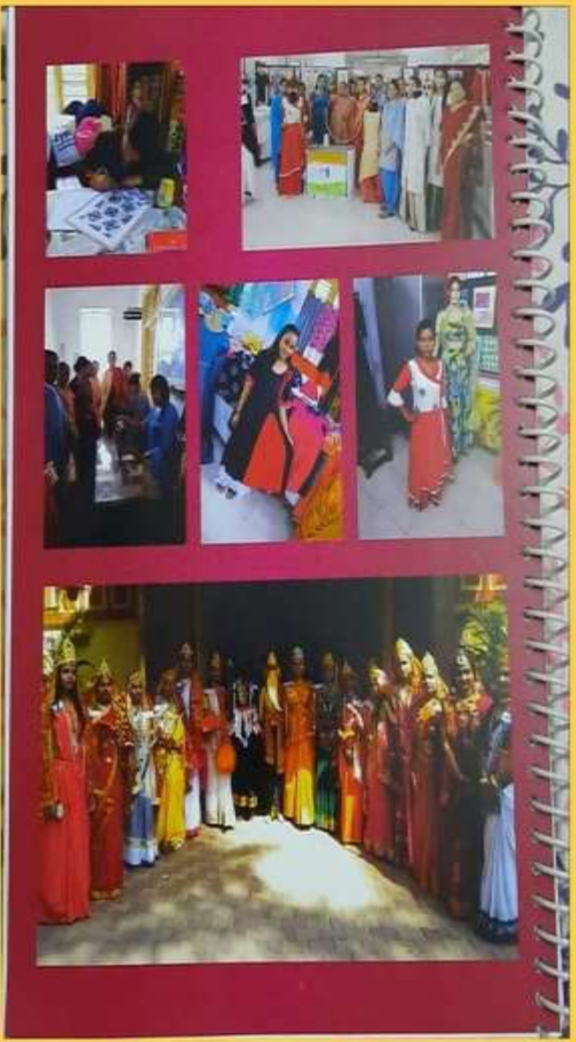

मो. ह. गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)

Poster Competition

विषय-सदभावना

पत्रिका PLUS 18-7-2019 CITY

इकोलॉजिकल रिसोर्स के उपयोग बताए

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जबलपुर ◆ गवर्नमेंट होमसाइंस कॉलेज में प्राणीशास्त्र विभाग के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रिंसिपल डॉ. लीला भलावी के निर्देशन और डॉ. कृष्णाद पटेरिया और डॉ. शशिबाला श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में कम्पोजिट फिश कल्चर विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें डॉ. एस पुणेकर इंदौर से आए ने बताया कि एक ही तालाब में विभिन्न खाद्य स्वाभाव और आवासीय अभिरुचि वाली मछलियों की प्रजातियों के समकालिक संवर्धन या मिश्रित संवर्धन पर बात की। उन्होंन कहा कि दो या दो से अधिक सम्पूरक प्रजातियों के संग्रहण से तालाब के अधिकतम जलक्षेत्र और उपलब्ध प्राकृतिक भोज्य पदार्थोंका उपयोग करके अधिक उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है। इस मौके पर डॉ. रीता सोलंकी, सलीम अली, डॉ. साधना केसरवानी, डॉ. शम्पा जैन, डॉ. हनिन्दर मैनी, डॉ. नम्रता श्रीवास्तव, डॉ. वर्षा जैन आदि उपस्थित थी।

दैनिक भास्कर

जबलपुर, बुधवार, 4 दिसम्बर 2019

सावधानी रखने की आवश्यकता है, जैसे प्रश्न पूछे गए।पी-3

अवेयरनेस: शहर के शासकीय कॉलेज में गठित क्लब स्टूडेंट्स को बना रहे एक्टिव, पर्यावरण से जोड़ रहे, संगीत और साहित्य का नॉलेज भी बढ़ा रहे

विज्ञान की दुनिया से अपडेट रख रहे क्लब नेचर और हेरीटेज का भी महत्व बता रहे

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

क्लब के गठन का उद्देश्य अब एक्टिविटी से बढ़कर हो गया है, क्लब के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों में अब बाहर से आने वाले अतिथि स्टूडेंट्स को शोध से जुड़े विशेष तथ्य दे रहे हैं। क्लब स्टूडेंट्स का आत्मविश्वास तो बढ़ा ही रहे हैं, साथ ही उन्हें बेहतर कैरियर के लिए तैयार भी कर रहे हैं। शहर के कॉलेजों में प्रारंभिक सत्र में बनाए गए क्लब जो भी प्रोग्राम करवा रहे हैं, वो स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। विभिन्न गतिविधियों से जुड़कर स्टूडेंट्स पर्यावरण के लिए अवेयर हो रहे हैं। पौधारोपण तो कर ही रहे हैं, लोगों को प्लास्टिक का उपयोग बंद करने अवेयर भी कर रहे हैं। देखा जाए तो कॉलेजों में [illegible] क्लब स्टूडेंट्स को [illegible] एक्टिव बना रहे हैं। (आर-6)

ऐसे हैं क्लब जो साल भर एक्टिव हैं

होमसाइंस | • मेडम क्यूरी क्लब। • आइंस्टीन। • सृजन। • राजामल क्लब। • रविन्द्र क्लब। • रूक्को क्लब। • सर जगदीश चन्द्र बसु क्लब। • सर ल्यूवेन हॉक क्लब। • सलीम अली क्लब।

साइंस कॉलेज | • केमिकल सोसायटी। • फिजिक्स सोसायटी। • बोटेनिकल सोसायटी। • मैथामेटिकल सोसायटी। • जुलॉजिकल सोसायटी। • जियोलॉजिकल

मानकुँवरबाई | • हेरीटेज क्लब। • सृजनात्मक क्लब। • बुक रीडिंग क्लब। • नेचर क्लब। • संगीत क्लब। • शोध क्लब। • साहित्य क्लब। • इंग्लिश स्पीकिंग क्लब। • स्वच्छता क्लब।

होती हैं प्रतियोगिताएँ | कॉलेज क्लब्स जब कॉम्पिटीशन करवाते हैं तब विरासतों और पर्यावरण का खास ख्याल रखते हैं। इन्हीं विषयों पर थीम रखकर प्रतियोगिता करवाई जाती है, ताकि प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्टूडेंट्स अपनी विरासतों का सम्मान करना सीखें और पर्यावरण के प्रति सजग हों। होमसाइंस कॉलेज की प्रो. डॉ. ज्योति जैन ने बताया कि साल भर सभी विभाग एक्टिविटीज करवाते हैं। ईको क्लब की इन्चार्ज शीला विश्वकर्मा ने जानकारी दी की ईको क्लब पोस्टर और पेन्टिंग कॉम्पिटीशन करवाता है, इसी के साथ स्टूडेंट्स को नेचर से जोड़कर रखा है।

व्याख्यान से बढ़ रहा नॉलेज

साइंस कॉलेज के प्रो. डॉ. एके बाजपेयी ने बताया कि कॉलेजों में होने वाले अवेयरनेस प्रोग्राम्स में अतिथि विद्वानों को बाहर से बुलवाया जा रहा है। जो अपने व्याख्यान से विद्यार्थियों का नॉलेज बढ़ाते हैं, इसी के साथ शोध में हो रहे परिवर्तन बताते हैं, ताकि स्टूडेंट्स अपडेट हो सकें। मानकुँवरबाई कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रश्मि चौबे ने बताया कि क्लब का गठन स्टूडेंट्स के चहुँमुखी विकास के लिए किया गया है। ता[illegible] वे हर समय हर विषय में नॉलेज ले सकें। ह[illegible] क्लब में अलग-अलग कोऑर्डिनेटर के साथ पीजी के स्टूडेंट्स रखे गए हैं।पी-3

SHOT ON POCO X3

दैनिक भास्कर

जबलपुर, मंगलवार, 03 दिसम्बर 2019

NEWS BRIEF

बताया किन-किन कारणों से फैलता है एड्स

जबलपुर। होमसाइंस कॉलेज महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब व सलीम अली क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. लीला भलावी के संरक्षण एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ. शंपा जैन व डॉ. ज्योति जैन के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्राओं के मध्य निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। निर्णायक की भूमिका डॉ. रीता सोलंकी एवं डॉ. कृष्णा पटेरिया ने निभाई। निबंध में प्रथम